Title: Need to frame guidelines for allocation of funds for proper maintenance of national highways in hilly regions, particularly in Himachal Pradesh.

श्री सुरेश चन्देल (हमीरपुर, हि.प्र.) : महोदय, मैं आपके माध्यम से जल भूतल परिवहन मंत्री के ध्यान में लाना चाहता हूं कि पहाड़ी क्षेत्रों में राट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव पर अपेक्षाकृत अधिक व्यय होता है, लेकिन भारत सरकार की नीति के तहत मैदानी एवं पर्वतीय क्षेत्रों में राट्रीय उच्च मार्गों के रख-रखाव हेतु समान धनराशि दी जाती है, जिससे मैदानी भागों में रख-रखाव ठीक प्रकार से होता है, लेकिन पहाड़ी क्षेत्रों विशेाकर हिमाचल प्रदेश जहां राजमार्ग अत्यन्त दुर्गम एवं जनजातीय क्षेत्रों में हैं तथा जहां प्रायः वर्ा एवं बर्फबारी के कारण ल्हासे गिरते रहते हैं और सड़कें जगह-जगह से टूट जाती हैं, वहां उन्हें बनाने एवं भूस्खलन के कारण सड़क पर आए मलबे को हटाने हेतु जहां मशीनरी की ज्यादा आवश्यकता होती है, वहां श्रमिक भी ज्यादा संख्या में लगाने पड़ते हैं, जिसके कारण प्रदेश सरकार को राट्रीय राजमार्गों के मैंटिनेंस हेतु केन्द्र सरकार द्वारा दी गई धनराशि कम पड़ती है और इसे अपनी ओर से उन्हें चुस्त-दुरुस्त रखने पर ज्यादा खर्च करना पड़ता है।

ऐसी विाम परिस्थिति में मेरा आपके माध्यम से मंत्री महोदय से आग्रह है कि पहाड़ी और सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए अलग मापदंड बनाए जायें और उनके अनुसार हिमाचल प्रदेश को मैदानी भागों की तुलना में राट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव हेतु अधिक धनराशि दी जाए, ताकि प्रदेश सरकार ठीक प्रकार से उनका रख-रखाव कर सके।